(e) Although there are no major labour problems like strike, lock-out etc. there are frequent instances of indiscipline affecting adversely productivity and maintenance of the plants.

New Price Index Series

*58. SHRI GURUDAS DAS GUPTA:
SHRI CHATURANAN MISHRA:

Will the Minister of LABOUR be pleased to refer to reply to Unstarred Question 2320 given in Rajya Sabha on 13th May, 1988 and state:

(a) whether the central trade unions were consulted before taking the decision regarding the introduction of the new price index series with 1982 as the base year; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF LABOUR (SHRI BINDESHWARI DUBEY): (a) Yes, Sir.

(b) A national tripartite consultation, the second such consultation, was held on 6 October, 1988. At this consultation, the method for calculating the linking factor was discussed, besides details of the basis on which the 1982 base series has been drawn up.

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से बेची जाने वाली वस्तुओं के मूल्यों में वृद्धि

*59. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले कुछ महीनों के दौरान सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से बेचे जाने वाले आयातित खाद्य तेल, गेहूं और चीनी के मूल्यों में वृद्धि हो गई है ;

(ख) यदि हां, तो कितनी वृद्धि हुई है और इसके क्या कारण है ; और

(ग) पिछले तीन वर्षों में इससे पूर्व मूल्यों में कब-कब और कितनी बार वृद्धि हुई है ?

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय के राज्य मंत्री श्री सुख राम) : (क) से (ग) गत तीन वर्षों के दौरान (1986 से 1988 तक) आयातित खाद्य तेलों, गेहूं तथा लेवी चीनी के मूल्यों में की गई वृद्धि नीचे दी गई है :—

वर्ष/तारीख	थोक में सप्लाई किये जाने वाले आयातित खाद्य तेल का मूल्य	15 कि० ग्रा० के टीनों में सप्लाई किए जाने वाले आयातित खाद्य तेल का मूल्य
आयातित खाद्य तेल		
1986	कोई वृद्धि नही की गई	कोई वृद्धि नहीं की गई
23-12-1987	9000 रु० प्रति मी० टन से 11000 रु० प्रति मी० टन	10500 रु० प्रति मी० टन से 12500 रु० प्रति मी० टन
1-9-1988	11000 रु० प्रति मी० टन से 13150 रु० प्रति मी० टन	12500 रु० प्रति मी० टन से 14500 रु० प्रति मी० टन

आयातित खाद्य तेलों के मूल्यों तथा घरेलू बाजार में देशीय खाद्य तेलों के मूल्यों के बीच के अंतर को कम करने और देशीय उत्पादन को प्रोत्साहन देने की दृष्टि से तथा अंतर्राष्ट्रीय बाजार में खाद्य तेलों के मूल्यों में वृद्धि के कारण आयातित खाद्य तेलों के मूल्यों को संशोधित किया गया ।